• वर्ष : 1 • अङ्क : 3 • जनवरी-मार्च 2017 • ISSN : 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

संरक्षक :

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

आगामी अंक
30 जून, 2017

रूपेश कुमार चौहान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक

द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

दूरभाष संख्या-09555222747, 09540468787, 0991158532, 09266319639

Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vaaksudha.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टत: नहीं है। अत: इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख 25 जून, 2017 तक अवश्य प्रेषित कीजिए। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* वर्ष के अंतिम अङ्क के प्रकाशन से पूर्व प्रथम अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध हो जाएगा।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित

ISSN : 2347-6605

सामान्य शुल्क		सदस्यता शुल्क	
वैयक्तिक शुल्क (एक प्रति)	– ₹200	संस्थागत सदस्यता शुल्क (वार्षिक)	– ₹1500
संस्थागत शुल्क (एक प्रति)	– ₹400	पञ्च वार्षिक शुल्क	– ₹6000
वैयक्तिक वार्षिक शुल्क	– ₹800	आजीवन सदस्यता शुल्क	– ₹15000
सदस्यता शुल्क व्यक्तिगत (वार्षिक)	– ₹1200		

पत्र-व्यवहार का पता :
मकान नं.-41, सूरज नगर (दुर्गा मंदिर के सामने),
आजादपुर, दिल्ली-110033

सलाहकार परिषद् :

- प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- प्रो. शंकर दयाल द्विवेदी
(संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय)
- डॉ. राजवीर शर्मा
(पूर्व प्रोफेसर राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- प्रो. शम्स-उल-इस्लाम
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- प्रो. राम सरेख सिंह
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- प्रो. पवन अग्रवाल
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- प्रो. आभा त्रिवेदी
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- प्रो. राम भरत सिंह
(पूर्व विभागाध्यक्ष, राजनीति शास्त्र, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- प्रो. रामप्रवेश कुमार
(संस्कृत विभागाध्यक्ष, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- डॉ. विक्रमादित्य राय
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- डॉ. इन्द्र नारायण सिंह
(बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय)
- प्रो. राजेश रंजन
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- डॉ. पतञ्जलि कुमार भाटिया
(संस्कृत विभाग, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय)
- प्रो. सत्यदेव पोद्दार
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- प्रो. काशीनाथ जेना
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- डॉ. प्रवेश सक्सेना
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)

सम्पादक मंडल :

- डॉ. शाहिद तस्लीम
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली)
- डॉ. कृष्ण लाल
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रात:), दिल्ली)
- डॉ. रसाल सिंह
(असिस्टेंट प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली)
- डॉ. शंकर नाथ तिवारी
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- डॉ. मनोज कुमार सिन्हा
(असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- लाजपत राय
(असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र, सत्यवती महाविद्यालय (प्रात:), दिल्ली)
- डॉ. चंद्रशेखर पासवान
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- उमेश कुमार
(इतिहास विभाग, श्रद्धानन्द कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- डॉ. राम प्रमोल कुमार
(संस्कृत विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्ति निकेतन, बंगाल)

सम्पादक :
डॉ. रूपेश कुमार चौहान, मो. 9555222747, 9266319639

सहायक सम्पादक :
डॉ. राजेश कुमार, मो. 9555666907, 8527907638

उप-सम्पादक :
डॉ. राम किशोर यादव, मो. 9871600448

विधिक सलाहकार :
अरुण कुमार शुक्ला

मैनेजिंग डायरेक्टर
ठाकुर प्रसाद चौबे, मो. 9810636082

ग्राफिक डिजाइनर :
कवल मलिक, जे.डी. कंप्यूटर्स, मो. 9818455819

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi****-110033*
Mob : 9266319639

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya*-823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• Mrs Kirthee Devi Ramjatton
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 6

भारत और इटली के स्वतन्त्रता संग्रामों का तुलनात्मक अध्ययन (1840-1860) 7
डा. रमेश कुमार

प्रेमचंद की नैतिक प्रतिबद्धताएँ 14
शशि

विभाजन की त्रासद-कथा : मलबे का मालिक................. 17
विनय कुमार गुप्ता

पिङ्गल का कालनिर्धारण : विभिन्न अवधारणाओं के परिप्रेक्ष्य में.. 21
रवि कुमार मीना

वर्तमान विश्व में दाराशिकोह की प्रासंगिकता 28
ताहिर अली

GRACE --34
Dr. Meeta Nath

कुमारसम्भवम् एवं वामनपुराण का अभिव्यक्ति साम्य........ 43
डॉ. पूनम सिंह

आकृतिशब्दार्थवाद 48
डॉ. रेखा सिंह

Gender Budgeting providing fillip to women empowerment: An analysis of important women welfare schemes and Union Budget 2017-2018 ----------------------------------52
Pankaj Choudhary

Refugee, Use of Force: Legal Issues and Present Challenges ---59
Brijesh Kumar Singh

शुक्र - एक अध्ययन 67
डा. मीतू गौड़

गाँधी का राजनीतिक सिद्धांत : सत्याग्रह एवं असहयोग सत्याग्रह 70
डा. आशुतोष तिवारी

Giving children back their Childhood: A Socio Legal Perspective ----------------------------------72
Malay Pandey

उस्ताद जहूर खां का जीवन एवं वंश परम्परा 75
डॉ. गरिमा शर्मा

Crime against Women in India----------------------------79
Grahan Nand Prasad

भारतीय जनसंघ की स्थापना 87
डॉ. प्रेम शंकर चौधरी

Role of Polluter Pays Principle in Protection of Environment in India --91
Megh Raj

भारतीय साहित्य, सांस्कृतिक प्रयोग एवं उसके परिणामों का संग्रह 99
डा. हेमलता राठौर

Constiutional Validity of Land Acquisition Act 2013 103
Prabhat Kumar

न्यायालय की भाषा के रूप में हिंदी भाषा का प्रयोग न होने के कारण तथा निवारण 109
ब्रजेश कुमार सिंह

राजस्थान का लोकप्रिय वाद्य भपंग................................. 112
डॉ. गरिमा शर्मा

Protection of Biodiversity: A Need of Hour ------------ 115
Megh Raj

Efficacy of Plea Bargaining in Criminal Justice System in India: problem and prospect ----------------------------- 123
Grahan Nand Prasad

आचार्यमेधाव्रतस्य काव्य-रचना (दयानन्ददिग्विजयपरिप्रेक्ष्ये) ... 129
श्रुतिः शर्मा

Reforms in Labour Laws in state of Rajasthan ------- 132
Radheshyam Kalawat

मध्यकालीन साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर 137
डॉ. वीरेन्द्र सिंह कश्यप

पर्यावरण-संरक्षण और संस्कृत 142
डॉ. रणजीत कुमार मिश्र

भाषा में अशुद्धि-शोधन 146
डॉ. जसपाली चौहान

ब्रजभाषा 148
डॉ. जसपाली चौहान

भारत-अमेरिका सुरक्षा संबंध एक अवलोकन.................. 150
लाजपत राय

Property Rights for Women in Tribal Area *-New social equation orrise to new issue ------------ 153*
Monika Singh

जीवन्मुक्ति : विद्यारण्य के विचार.................................... 156
डॉ. जगत बहादुर शर्मा

कूर्मपुराणस्थ 'इक्ष्वाकुवंशोपाख्यान-विमर्श' 159
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह

आधुनिक विज्ञान और संस्कृत.. 167
डॉ. रणजीत कुमार मिश्र

दलित के पारिभाषिक पहलू का विश्लेषण 171
डॉ. चन्द्रशेखर राम

पाणिनि व्याकरण तथा कातन्त्र व्याकरण के कृत् प्रत्ययों का तुलनात्मक विश्लेषण.. 176
डॉ. मोहिनी आर्या

तिरिछ कहानी में व्यक्त शहरी असंवेदनशीलता 180
ज्योति

बौद्ध विहार: भारतीय संस्कृति की धरोहर एक अवलोकन..... 182
डॉ. चन्द्रशेखर पासवान

स्त्री लेखन और राजी सेठ 188
डॉ. माला मिश्र

भर्तृहरि का कालनिर्धारण : एक विहङ्गम दृष्टि 191
डॉ. सोमवीर

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की कहानियों में राजनीतिक चेतना 195
पूजा चीमा

तिलकमञ्जरी और नामौचित्य... 199
डा. विजय गर्ग

Buddhist View on Social Conflict: Approaches and Impact --------------------------------- 202
Dr. Chandrashekhar Paswan

गांधी और सत्याग्रह : दक्षिण अफ्रीका से चम्पारण तक... 209
राकेश कुमार रजक

Rise of Islam -- 214
Dr Pallavi Prasad
Comparative Study of Customer Satisfaction in Public Sector and Private Sector Banks ---------------------- 218
Sandhi
पाणिनीय व्याकरण का महत्व 224
Kirthee Devi Ramjatton
Transforming Indian Economy: The Role of --------- 227
Kiran Gupta
जातक कथा में वर्णित सत्तिगुम्ब कथा का वर्णन एवं उनका तत्कालीन समाज पर प्रभाव 230
खुशबू कुमारी
पाञ्चरात्र आगम-एक परिचय 233
डॉ. बिन्दिया त्रिवेदी
Legal Aspects of Performance Appraisal ------------- 238
Radheshyam Kalawat
समकालीन हिन्दी कविता का परिदृश्य और निराला काव्य ... 242
अजीत कुमार
संस्कृत शिक्षण की गुणवत्तापूर्ण प्रविधियाँ...................... 247
डॉ. आयुष गुप्ता
Effect of Yogic Exercises Training on Selected Physiological Variables of Secondary School Male Students -- 250
Dr. Kunal
स्वामी गीतानन्द महाराज की हिन्दी साहित्य को देन 254
डॉ. रवीन्द्र कुमार
दलित महिलाओं की राजनीति में भागीदारी : रैगर महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में............................... 258
सुनीता
समकालीन स्त्री-कविता का स्त्री-बोध 263
ज्योत्स्ना कुमारी
नागार्जुन की कविताओं में भूख और शोषण 269
बिपिन प्रसाद
उत्तर प्रदेश की राजनीति व शासन में लाल बहादुर शास्त्री की भूमिका 274
डॉ. चंचला कुमारी
Discovery of the Indus Valley Civilization ------------- 277
Hans Raj
श्रीकृष्ण की साध्यपरक लीलाएँ 280
डॉ (कु.) सुनीता शर्मा
कालिदास की उपमा में मौलिकता और विराट् तत्त्व 286
अमोघ रंजन पाठक
Neo Buddhist Movement and Dr B.R. Ambedkar ----- 290
Dr. Harish Kr. Baluja
भारत में पशु सम्पदा का आर्थिक और सामाजिक महत्व 296
साधना शुक्ला
ऐतिहासिक दृष्टि से सल्तनतकालीन शिक्षा व्यवस्था का विश्लेषण.. 301
विरेन्द्र कुमार
अन्तिम चरण के प्रमुख ऐतिहासिक उपन्यास 303
डा. प्रीति सिंह
वैदिक काल में वस्त्र-उद्योग 308
डॉ. निधि सिद्धार्थ
मनुस्मृति में विवाह 312
ममता कुमारी
तिलकमञ्जरी में वस्तु-वक्रता 315
डा. विजय गर्ग
वेदोत्तर काल में वस्त्र-उद्योग : एक मूल्यांकन................. 320
डॉ. निधि सिद्धार्थ
बौद्ध धर्म में अहिंसा की महत्ता 326
एकता जैन
डॉ. रामविलास शर्मा की इतिहास-दृष्टि का मूलाधार...... 330
अपराजिता शर्मा
कौशाम्बी : उत्खनन से उद्घाटित महानगर के अस्तित्व की ... 334
साधना शुक्ला
संस्कृत वाङ्मय में मंगलाचरण परम्परा एवं प्रयोजन 339
डॉ. रवि प्रभात/रमिन्दर कौर
सारबोधिनी : सांख्यतत्त्वकौमुदी की एक विशिष्ट टीका.. 341
डॉ. अंकुर त्यागी
कालिदासाभिमत परमतत्त्व एवं वेदान्त-दर्शन 344
डॉ. शिखा
पाणिनीय असिद्धत्व-प्रविधि की उपयोगिता 346
डॉ. रवि प्रभात
साहित्य-शास्त्र में काव्य प्रयोजन 349
सुभाष कुमार सिंह
आरक्षण नीति और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय 354
लाजपत राय
अथर्ववेद में गो-संरक्षण 357
प्रीति वर्मा
यौनिकता विमर्श के संदर्भ में 'रसराज' का मूल्यांकन 361
रीना
Buddhist Ethical Value in the Contemporary World - 365
Arushi
Buddhist Essential Teachings and its Impact on Social --- 368
Sunny Kumar
वृन्दावन लाल वर्मा के 'झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई' उपन्यास में राष्ट्रीयता... 376
पूनम मीणा
जल संकट समस्या एवं समाधान 381
जगनारायण मिश्र
श्रीमद्भागवत का महत्त्व 386
डॉ (कु.) सुनीता शर्मा
Field Report on the Study of Mourning Rites Among The Kayasthas in Delhi --------------------------------------- 390
Sneh Shakti
Retribution of Kamma and Inequality ----------------- 397
Dr. Subhra Barua Pavagadhi
महाभारत के विभिन्न पर्वों में मुहूर्त का उल्लेख.............. 401
डॉ. प्रीति शर्मा
बिहारी के काव्य में प्रेम की व्यंजना............................... 409
अजीत कुमार
संस्कृतवाङ्मये धर्मस्वरूपम्... 415
प्रेम वल्लभ देवली
(Re)Defining: Dalit Aesthetics in Cho. Dharman's Koogai-The Owl -- 418
Vaishali Sharma
जनवादी चेतना के लेखक भीष्म साहनी और उनका 'तमस' .. 424
मोहिनी पाण्डेय
आधुनिक संस्कृत मुक्तकाव्यों में धर्म का स्वरूप 427
कुमारी नन्दिनी

सम्पादकीय

आज का युग वैज्ञानिक युग है। विज्ञान ने अकल्पनीय प्रगति की है। एक तरफ उसने मानव कल्याण के लिए चमत्कारिक एवं सृजनात्मक शोध करके जीवन को सहज एवं सरल बनाया है। वहीं दूसरी तरफ सम्पूर्ण मानवता के विनाश एवं संहार के लिए परमाणु हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा भी बनाया है। विज्ञान के इस विकास ने जीवन के अस्तित्व को ही चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

आज 'आत्म-विचार' के स्थान पर 'एटम विचार' और 'ब्रह्म जिज्ञासा' के स्थान पर 'बम-जिज्ञासा' हो रही है। सर्वत्र, भय संत्रास और अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष और उसके परिणामस्वरूप अशान्ति और दुःख का साम्राज्य है। अपने अनुभवों के आधार पर यह कह सकता हूँ कि वर्णाश्रम व्यवस्था, धर्म, आस्तिकता और नैतिकता, ये सब कल्पनालोक की वस्तुएं हो गई हैं। विज्ञान के कारण व्यक्ति, पर्यावरण और जीवन-मूल्यों के एकत्रित अध्ययन की व्यवस्था समाप्त हो गयी है। इस तरह विज्ञान के एकांगी विकास ने जीवन-मूल्यों को उपेक्षित कर दिया है। गरीब से गरीब देश भी अपने नागरिकों को भूखा रखकर राष्ट्रीय आय का अधिकांश हिस्सा परमाणु हथियारों के आविष्कार और परीक्षण पर खर्च कर रहा है। इनसे सम्पूर्ण विश्व में महंगाई और मुद्रास्फीति है।

जानकारों का कहना है कि रासायनिक हथियारों एवं कीटाणु युद्ध के क्षेत्र में विकसित देशों के परीक्षणों से नई-नई संक्रामक बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। कभी इबोला तो कभी स्वाइन फ्लू से दहशत का माहौल है।

उपरोक्त सारी समस्याओं का सामना सम्पूर्ण मानव जाति को करना पड़ रहा है, जिसका समाधान वैश्विक स्तर पर मिल-जुलकर ही किया जा सकता है। हमारे पास इस समस्या की चुनौतियों से निपटने का एकमात्र साधन शिक्षा है। अपनी शैक्षिक व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन के द्वारा शून्य से शांत अर्थात् जन्म से मृत्यु तक को व्यवस्थित किया जा सकता है। आज गूगल गुरु का चमत्कार है, जिसमें जानकारी ज्यादा है, समझदारी का लोप होता जा रहा है। इसलिए भारतीय शिक्षा में भारतीय मूल्यों के महत्व को प्राथमिक शिक्षा के स्तर से ही जोड़ना पड़ेगा। शिक्षा के प्रारंभ से ही धरती माता के प्रति प्रेम का पाठ पढ़ाना पड़ेगा। तब वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे वाक्यों की सार्थकता होगी। धरती जब माता है तो उसकी वनस्पतियों, जीव-जन्तुओं से भी एक सम्बन्ध बनेगा, जिससे इन प्राकृतिक संसाधनों का अनाप-शनाप दोहन रुकेगा। उपभोक्तावाद की जगह पर नियंत्रित विकास की परिकल्पना को मजबूत करना पड़ेगा। नई विश्व चेतना में घृणा, कट्टरता, हिंसा और ईर्ष्या का व्यापक प्रभाव पड़ता जा रहा है। इसको काबू में करने के लिए सभी धर्मों के बीच आपस में निरंतर बातचीत को बढ़ावा मिलना चाहिए, वहीं पाठ्यक्रम में सभी प्रमुख धर्मों के मूलमंत्र सहिष्णुता, प्रेम, दया जैसी भावनाओं का समावेश होना जरूरी है। महिला सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा पर ध्यान देने से कई तरह की सामाजिक विकृतियों को दूर किया जा सकता है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से लेकर 'स्वच्छ भारत अभियान' को महिला शिक्षा के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है।

भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक सबसे बड़ी कमी नगरोन्मुखी होना है। जबकि भारत गाँवों का देश है, इसलिए गाँवोन्मुखी शिक्षा व्यवस्था आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

अन्त में यह कहा जा सकता है कि देश बड़े बदलाव के लिए चौराहे पर खड़ा है, जिसमें हमें प्रतिस्पर्धा की जगह सहयोग का, भोगवाद की जगह संयम का, घृणा की जगह सामंजस्य का मार्ग अपनाना पड़ेगा, जिसके लिए खंडित शिक्षा की जगह अखण्ड शिक्षा की जरूरत है, क्योंकि शिक्षा प्रकाश है, जो शिक्षित है, वही प्रकाश की ओर ले जाता है। आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि वाक्सुधा भी ऐसा ही करेगी।

- डॉ. रूपेश कुमार चौहान

Refereed Journal • ISSN : 2347-6605